

## ग्लोबल सॉइल पार्टनरशिप की 12वीं पूरण सभा

[स्रोत: एफएओ](#)

वैश्विक एजेंडे में मृदा को स्थान देने तथा समावेशी नीतियों और मृदा प्रशासन (Soil Governance) को बढ़ावा देने के लिये दिसंबर, 2012 में स्थापित वैश्विक मृदा भागीदारी (GSP) ने वैश्विक संकटों के बीच तात्कालिक कार्रवाई का आग्रह करते हुए एक महत्त्वपूर्ण बैठक का शुभारंभ किया।

- **संयुक्त राष्ट्र** का **खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO)** इस भागीदारी की मेज़बानी करता है, जिसमें FAO के सदस्य के अतिरिक्त 700 से अधिक भागीदार शामिल हैं।
- वैश्विक मृदा भागीदारी (GSP) तीन "आर": कम करने, पुनः उपयोग करने और नवीनीकृत करने के आधार पर सतत मृदा प्रबंधन सुनिश्चित करके वर्ष 2030 तक विश्व की कम-से-कम 50% मृदा के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और बनाए रखने के लिये प्रतबद्ध है।
- **GSP की प्रमुख पहलें:**
  - **VACS पहल:** VACS पहल के तहत **FAO**, मध्य अमेरिका और अफ्रीकी देशों में लचीली कृषि खाद्य प्रणालियों (SoilFER) के लिये मृदा मानचित्रण परियोजना को लागू कर रहा है।
  - **अन्य पहल:** मृदा स्वास्थ्य को मापना, रिपोर्ट करना और सत्यापित करना, वैश्विक मृदा प्रयोगशाला नेटवर्क गुणवत्ता प्रमाणपत्र, कृषि संरक्षण और कृषि खाद्य प्रणालियों के परिवर्तन में स्वस्थ मृदा की भूमिका शामिल है।
- **उपलब्धियाँ:**
  - **विश्व मृदा दिवस (5 दिसंबर)** का क्रयान्वयन
  - अंतरराष्ट्रीय मृदा वर्ष 2015
  - संशोधित विश्व मृदा चार्टर

और पढ़ें: [विश्व मृदा दिवस](#)